ममता की छैया | By Neha Singh Rajput

अर्ज़ी लगावे टाबर सुनो म्हारी मैया
जनम जनम देदो ममता की छैंया

जग समंदर म्हारी छोटी नैया
नैया पार उतरसी कैया
थामो पतवार मैया बन के खिवैया
जनम जनम देदो ममता की छैंया

द्वार खड्या मैं अरज करा हाँ
पगड़ी थारे चरण धरा हाँ
थे ही तो हो म्हारी लाज बचैया
जनम जनम देदो ममता की छैंया

म्हें मूरख नर लोभी कामी
थे तो हो जग जननी भवानी
गोलू से रूस्या सरसी कैया
जनम जनम देदो ममता की छैंया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9b%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-neha-singh-rajput/